

अभिमत



कैसे रुकें हादसे?

दोषहिया के साथ बड़े वाहनों के हादसों का कारण ओवर स्पीड के साथ ही शराब है। सभी जिलों के पुलिस काप्तानों ने शराब, स्ट्रैक, गंजा तस्करों की धरपकड़ के लिए अधिकारीय चलाया। करोड़ों रुपयों के नशीले पदार्थ पकड़े जा चुके हैं। नशे का धूंध करने वाले बाज नहीं आ रहे हैं। स्कूलों में बालक-बालिकाओं और कालेजों में युवा विद्यार्थियों को नशे के प्रति जागरूक किया गया है। पुलिस और प्रशासन की कोशिश नाकाम साबित हो रही है। नशे में वाहन चलाने वाले स्वयं अपनी जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। नावालिंग और युवाओं को उनके अभिभावक ही रोक सकते हैं।

पिछले साल छह माह में उत्तराखण्ड में 884 सड़क हादसे हुए और अबेक लोगों की मृत्यु हुई, बहुत से परिवारों का चिराग बुझ गया। हाईकोर्ट ने जनहित याचिकाकी की सुनवाई करने हुए आईजी ट्रेफिक अलग मोहन जीरी से पूछा सड़क हादसे रोकने के लिए क्या बेहतर उपाय किये जा सकते हैं? मानसून के दौरान सड़क हादसे होने की आशका अधिक होती है, लेकिन राज्य में मौसम सामान्य होने पर भी आये दिन सड़क हादसे होते हैं। आईजी ट्रेफिक ने उच्च व्यायालय को बताया कि हादसों का मुख्य कारण ओवर स्पीड है। और एक स्पीड वाहन चलाने वालों का चालान किया जा रहा है। कई जगहों पर सीसीटीवी केरमे और रोड पर सेंसर लड़ियों द्वारा जारी होते हैं। हादसे के बाद नशीले पकड़े जाने पर अभिभावक का चालान किया जा रहा है, फिर भी अभिभावक अपनी संतान को वाहन चलाने से नहीं रोकते हैं। नियम के अनुसार एक से दो हजार सीसी की गाड़ी चलाने के लिए 25 साल की उम्र तय है। 16 से 18 वर्ष के लिए 50 सीसी तक वाहन चलाने की अनुमति है। सड़क हादसों के लिए पुलिस को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। मीडिया में वाहनों के चालान के समाचार सुनियों में रहते हैं। राज्य सरकार को कुछ साल पहले दोषहिया वाहन चलाने के लिए हेल्मेट अनिवार्य किया गया। पुलिस की वर्दी से अलग सीधीयों के जवान सुधर से शाम तक बिना हेल्मेट वाले वाहन चलाने का चालान करते रहे। महीनों बाद हेल्मेट लगाने की आदत बनी। हेल्मेट अनिवार्य करने से सड़क हादसों में मृतकों की संख्या कम हुई। सीधीयों के जवान अब शहरों को स्थानांतरित कर दिये गये और उनकी संख्या कम हो गई तो अब बहुत से लोग बिना हेल्मेट के वाहन चलाने पर आ रहे हैं। और पुलिस की नजर से वाहन चलाने के साथ बड़े वाहनों के हादसों का कारण ओवर स्पीड के साथ ही शराब है। सभी जिलों के पुलिस काप्तानों ने शराब, स्ट्रैक, गंजा तस्करों की धरपकड़ के लिए अधिकारीय चलाया। करोड़ों रुपयों के नशीले पदार्थ पकड़े जा चुके हैं। नशे का धूंध करने वाले बाज नहीं आ रहे हैं। स्कूलों में बालक-बालिकाओं और कालेजों में युवा विद्यार्थियों को नशे के प्रति जागरूक किया गया है। पुलिस और प्रशासन की कोशिश नाकाम साबित हो रही है। नशे में वाहन चलाने वाले स्वयं अपनी जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। नावालिंग और युवाओं को उनके अभिभावक ही रोक सकते हैं।

News

कॉर्टर

शिक्षिका को उत्कृष्ट कर्य करने पर सम्मानित किया

नैनीताल | डाइट भीयाल द्वारा प्रत्येक ब्लॉक से उत्कृष्ट कर्य करने वाली एक शिक्षिका को सम्मानित किया गया।

जिसमें रामनगर ब्लॉक से श्रीनीति विंदु साह पीपीसी राजकीय बालिका इंटर कालेज मालाधन चौड़ी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए हुए सम्मानित किया गया।

प्राचार्य सुरेश साह आर्या द्वारा उनके

द्वारा शिक्षा, कला तथा संगीत एवं

समाज के क्षेत्र लिए गए, कार्यों के

लिए ब्लॉक रामनगर से सम्मानित किया गया।

प्राचार्य सुरेश साह आर्या द्वारा उनके

द्वारा शिक्षा, कला तथा संगीत एवं

समाज के क्षेत्र लिए गए, कार्यों के

लिए ब्लॉक रामनगर से सम्मानित किया गया।

प्रवक्ता डॉ आरती द्वारा

कार्यक्रम का संबोधन गया तथा

महिलाओं के हर क्षेत्र में किए जाने

वाली कार्यों की सराहना की। इस बैठके

पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी छलदार

प्रसाद तथा प्राचार्याचार्य सप्ताह सिंह

द्वारा भी शुभमनाएं दी गए तथा हर्ष

व्यक्त किया गया।

कैविनेट मंत्री प्रेमचंद को

बवार्स्ट की मांग

नैनीताल | उत्तरांचल राज्य

अंदोलनकारी कैविनेट मंत्री प्रेमचंद

को बवार्स्ट की

मांग की है। जिसे लेकर

सेमवार को

प्रदेश सभा संसद क्षेत्र से राज्य

अंदोलनकारी

मुख्यमंत्री को संबोधित जापन भेजें।

जिलायक्षण गोपा सिंह बिठ ने बताया

कि बैठक के दौरान यह निर्णय लिया

गया और गालीगोली के दौरान वाले

कैविनेट मंत्री की तीवी आलोचना

बैठक में की गई और प्रदेशभर से

राज्य अंदोलनकारियों द्वारा कैविनेट

मंत्री के खिलाफ अभियान चलाएं

जाने की मांग उठाई जाएगी। मंत्री प्रेम

चंद अग्रवाल ने अमरीदित भाषा से

देवभूमि की अस्तित्व पर प्रहर भाषा

है। जिसे किसी भी कीमत पर बवार्स्ट

नहीं किया जा सकता है। सेमवार

राज्य अंदोलनकारी एकत्र होकर

कैविनेट मंत्री की इस्तकी की मांग को

लेकर जान मंडल मुख्यालय में

जिलाधिकारी को सौंपेंगे।

मुख्यमंत्री को अधिकारी

को अधिकारी